GE-016032

Seat No.________

B. A. (Sem. VI) Examination

March - 2019

BA00C607 : Hindi

(प्रादेशिक भाषा – साहित्य – गुजराती)

(Optional) (Core Elective)

Time : 3 Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(२) प्रत्येक नया प्रश्न नये पृष्ठ पर आरंभ करें ।

१ गुजराती भाषा के उद्भव और विकास पर प्रकाश दीजिए । १४

अथवा

१ गुजराती साहित्य के आधुनिक काल का विस्तृत परिचय दीजिए । १४

२ प्राचीन गुजराती साहित्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

२ गुजराती साहित्य के आधुनिक काल के उपविभाजन की युक्तियुक्त चर्चा कीजिए । १४

३ प्रमुख रचनाकार के रूप में नरसिंह महेता का विस्तृत परिचय दीजिए । १४

अथवा

३ गुजराती रचनाकार प्रेमानंद का परिचय दीजिए । १४

४ 'मानवीनी भवाई' रचना का विस्तृत परिचय दीजिए । १४

अथवा

४ कवि सुंदरम् रचित 'काव्यमंगला' का परिचय दीजिए । १४

५ सूचनानुसार कीजिए :

(क) निम्नलिखित विधान सही (✓) हैं या गलत (×) बताइए : ७

(१) 'सरस्वतीचंद्र' तीन भागों में प्रकाशित है ।

(२) नरसिंह मेहता का प्रिय छंद सूलणा है ।

(३) पंडितयुग का समय १८८५ से १९१५ है ।

(४) 'काव्यमंगला' सुरेश जोशी का काव्यसंग्रह है ।

(५) 'हरिजनबन्धु' नामक पत्रिका गाँधीजी ने निकाली थी ।

(६) 'भरवेश्वर – बाहुबलि रास' आधुनिक युग की कृति है ।

(७) जब तक गुजराती भाषा का गौरव न बढ़े तब तक सिर पर पगड़ी न बाँधने की प्रतिज्ञा प्रेमानन्द ने ली थी ।

(ख) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : ७

(१) त्रिभुवनदास पुरुषोत्तमदास लुहार का उपनाम _____ है ।
(सुन्दरम्, उशनस, शेष)

(२) ज्ञानपीठ पुरस्कार इनमें से _____ को मिला है ।
(पन्नालाल पटेल, जयंत पाठक, प्रवीण दरजी)

(३) नर्मद साहित्यसभा की स्थापना _____ शहर में हुई ।
(अहमदाबाद, भावनगर, सुरत)

(४) निम्न में से दलित साहित्य में _____ का प्रदान अधिक है ।
(प्रेमानंद, जोसेफ मेकवान, सुरेश जोशी)

(५) पन्नालाल पटेल का जन्म _____ ई. में हुआ था ।
(१९१०, १९११, १९१२)

(६) प्रेमानंद ने _____ साहित्य स्वरूप में योगदान दिया है ।
(पद्यवार्ता, आख्यान, फागु)

(७) एक मूरख ने एवी टेव, पत्थर एटला पूजे देव _____ कवि की काव्यपंक्ति है ।
(नरसिंह महेता, प्रेमानंद, अखा)